SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 30 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 178

भूकंप प्रभावित म्यांमार को भारत ने भेजा 15 टन राहत सामग्री

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार के लोगों के लिए शनिवार को सैन्य विमान से लगभग 15 टन राहत सामग्री भेजी। भूकंप ने शुक्रवार को म्यांमार और उसके पड़ोसी देश थाईलैंड में भारी तबाही मचाई जिससे कई इमारतें और पुल नष्ट हो गए। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के सी-130जे सैन्य परिवहन विमान से यह राहत सामग्री यांगून भेजी गयी।

अधिकारियों ने बताया कि इन राहत सामग्रियों में 'टेंट', 'स्लीपिंग बैग', कंबल, खाने के पैकेट, पानी शुद्धिकरण उपकरण, सोलर लैंप, 'जनरेटर सेट' और आवश्यक दवाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को म्यांमार और थाईलैंड में भीषण भूकंप के कारण उत्पन्न स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि इस घड़ी में भारत दोनों देशों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के मद्देनजर पैदा हुई स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा कि इस संबंध में भारतीय अधिकारियों को तैयार रहने के लिए कहा गया है और विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के संपर्क में रहने को भी कहा गया है।

इस बीच, भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और उसने कहा कि अभी तक किसी भी भारतीय के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बैंकॉक और थाईलैंड के अन्य भागों में आए शक्तिशाली भूकंप के झटकों के बाद भारतीय दूतावास थाई अधिकारियों के साथ स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। अब तक, किसी भी भारतीय नागरिक से जुड़ी कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। किसी भी आपात स्थिति में भारतीय नागरिकों को आपातकालीन नंबर +66 618819218 पर संपर्क करने की सलाह दी जाती है। बैंकॉक में भारतीय दूतावास और चियांग माई में वाणिज्य दूतावास के सभी सदस्य सुरक्षित हैं।

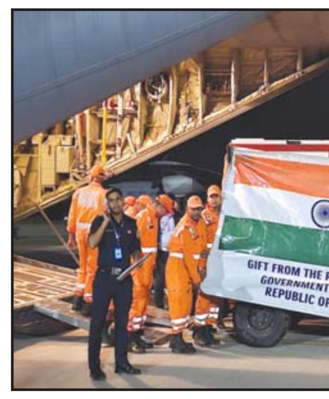

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत शुक्रवार को आए बड़े भूकंप के बाद म्यांमार को मदद भेजने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के अधिकारियों ने म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप से कोई बड़ा प्रभाव नहीं होने की सूचना दी। भूकंप के बाद आए झटकों ने म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में दहशत पैदा कर दी है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, शुक्रवार को रात 11:56 बजे (स्थानीय समयानुसार) म्यांमार में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, नवीनतम भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिससे यह आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील है। एनसीएस ने बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के वरिष्ठ जनरल से की बात, कहा- मुश्किल वक्त में भारत साथ खड़ा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को म्यांमार के वरिष्ठ जनरल महामहिम मिन आंग ह्लाइंग से बात की। उन्होंने कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा, म्यांमार के वरिष्ठ जनरल महामहिम मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में, भारत इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है।

म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में शुक्रवार को उच्च तीव्रता वाला भूकंप आया, जिससे इमारतें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए। म्यांमार में कम से कम 1,002 लोगों की मौत हुई। भारत ने शनिवार को म्यांमार को 15 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक पोस्ट में कहा कि 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के हिस्से के रूप में, भारत ने शुक्रवार के भीषण भूकंप से प्रभावित म्यांमार के लोगों की सहायता के लिए पहले प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में काम किया। टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, भोजन के पैकेट, स्वच्छता किट, जनरेटर और जरूरी दवाओं सहित 15 टन राहत सामग्री की हमारी पहली खेप यांगून पहुंच गई है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विनाशकारी भूकंप पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

अंतर्राष्ट्रीय

चीन की चुनौती : फिलीपींस, जापान और अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभ्यास

मनीला । फिलीपींस, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर एक संयुक्त समुद्री सैन्य अभ्यास का आयोजन किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह अभ्यास शुक्रवार को क्षेत्र में बढ़ते खतरों और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच आयोजित किया गया। बहुपक्षीय समुद्री सहकारी गतिविधि (एमसीए) का आयोजन इस तरह से किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुरूप हो और सभी देशों की सुरक्षा, नौवहन अधिकारों, स्वतंत्रता का उचित सम्मान करता हो। अमेरिकी नौसेना ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता से संबंधित समुद्र के अन्य अंतरराष्ट्रीय रूप से वैध उपयोग के अधिकार का समर्थन करता है। फिलीपींस की सरकारी समाचार एजेंसी पीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपींस की सशस्त्र सेनाओं (एएफपी) ने यह भी कहा कि बहुपक्षीय एमसीए समन्वय, रणनीति और साझा समुद्री जागरूकता में महत्वपूर्ण सुधारों पर प्रकाश डालता है। फिलीपींस में टोक्यो के दूतावास ने एक बयान में कहा कि 'समान विचारधारा वाले भागीदारों' के साथ जुड़कर, जापान रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना और समुद्र के मुक्त व खुले उपयोग की सुरक्षा में सहयोग को बढ़ाना जारी रखेगा।

पाकिस्तान ने 213 अफगान शरणार्थियों को निर्धारित समय-सीमा से पहले वापस भेजा

रावलपिंडी । पाकिस्तान ने 200 से अधिक अफगान शरणार्थियों को उनके देश वापस भेज दिया है। पाकिस्तान ने अपने समयसीमा से दो दिन पहले ही ऐसा किया। स्थानीय मीडिया की गुरुवार की रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी में गिरफ्तार किए गए 923 व्यक्तियों में से 213 को अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया। यह निर्वासन पाकिस्तानी सरकार की ओर से निर्धारित 31 मार्च की समय सीमा से पहले हुआ। पाकिस्तान के प्रमुख "डॉन" ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस्लामाबाद की ओर से शरणार्थियों की गिरफ्तारी और हिरासत शुरू करने के बाद, 923 अफगान नागरिकों को रावलपिंडी में गोलरा मोड़ के पास अफगान शरणार्थी केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए बंदी में से 22 बुधवार को केंद्र से भाग गए और गुरुवार को केंद्र में कोई भी कैदी नहीं था। हिरासत में लिए गए कुल अफगान शरणार्थियों में से 86 के वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी, 116 के पास अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) थे और 290 के पास पंजीकरण का प्रमाण (पीओआर) था।

म्यांमार-थाईलैंड भूकंप : मस्क ने बढ़ाया मदद का हाथ, स्टारलिंक किट की पेशकश की

थाईलैंड । म्यांमार थाईलैंड में भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। ऐसी विषम स्थिति में दुनिया ने मदद का हाथ बढ़ाया है। इस बीच एक्स के मालिक एलॉन मस्क ने भी पेशकश की है। उनके मुताबिक ये आपदा की घड़ी में कम्युनिकेशन में मदद करेगा। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, थाईलैंड और म्यांमार में भूकंप के कारण हुए नुकसान के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। स्पेसएक्स की टीम संचार आवश्यकताओं और राहत प्रयासों में सहायता के लिए स्टारलिंक किट प्रदान करने के लिए तैयार है। दरअसल, स्टारलिंक एक सैटेलाइट कॉन्स्टेबल सिस्टम है जिसका उद्देश्य वैश्विक इंटरनेट कवरेज देना है। यह सिस्टम ग्रामीण और भौगोलिक रूप से अलग-थलग क्षेत्रों के लिए आदर्श है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी न के बराबर होती है। बता दें, 7.7 की तीव्रता वाले भूकंप के बाद म्यांमार स्थित नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि शुक्रवार देर रात यहां रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया। यह भूकंप दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकांश हिस्सों में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कुछ घंटों बाद आया है। पहले भूकंप के बाद 150 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हुई और सैकड़ों लोग घायल हुए। शुक्रवार को, म्यांमार सैन्य जुंटा ने शुक्रवार के विनाशकारी भूकंप के बाद छह क्षेत्रों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी। अधिकारियों ने कहा कि म्यांमार और थाईलैंड में खोज और बचाव प्रयासों के चलते हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

मुझे गलत फंसाया गया, सैफ अली खान पर हमला करने वाले ने किया दावा; कोर्ट से लगाई गुहार

मुंबई । आरएनएस

सैफ अली खान पर हमले के आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद ने मुंबई सेशन कोर्ट में याचिका फाइल की है। आरोपी ने दावा किया है कि उसने कोई अपराध किया ही नहीं। उसका कहना है कि उस पर लगाए गए आरोप झूठे हैं और उसे फंसाने के लिए केवल साजिश रची गई है। इस्लाम के वकील ने कहा की उनके क्लाइंट के खिलाफ झूठा केस दर्ज किया गया है। वह किसी भी अपराध में कभी शामिल नहीं रहा है।

वकील का कहना है कि शरीफुल इस्लाम ने अब तक की जांच में सहयोग किया है। याचिका में यह भी कहा गया कि जांच टीम ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्डिंग समेत सभी सबूत इक_ कर लिए हैं। ऐसे में ऐसी भी संभावना नहीं है कि आरोपी सबूतों से छेड़छाड़ करेगा। इस्लाम पर आरोप है कि वह 16 जनवरी की रात को डकैती के इरादे से सैफ अली खान के घर में घुस गया था। उसने सैफ अली खान और उनकी मेड गीता पर हमला किया। आरोप है कि इस्लाम ने डंडे और हेक्सा ब्लेड से हमला किया था।

घटना के बाद सैफ अली खान को गंभीर चोटें आई थीं। सैफ अली खान के स्टाफ के ही एलिमा फिलिप के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में यह केस चल रहा है। बांद्रा पुलिस के चार्जशीट फाइल करने के बाद बाद केस सेशन कोर्ट में शिफ्ट कर दिया जाएगा। जमानत याचिका में कहा गया है कि इस्लाम को सजा मिलने से पहले ही इस तरह से सजा देना किसी उद्देश्य को पूर्ण नहीं करता है। बांद्रा पुलिस ने अभी तक इस केस में चार्जशीट फाइल नहीं की है। जल्द ही कोर्ट इस्लाम की जमानत याचिका पर सुनवाई कर सकता है।

ईद पर दिल्ली और मुंबई में हो सकते हैं दंगे, बम विस्फोट की भी चेतावनी

प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली । आरएनएस

ईद के दौरान दिल्ली और मुंबई में बम विस्फोट व दंगों की चेतावनी मिली है। सोशल मीडिया में एक पोस्ट के माध्यम से पुलिस को चेतावनी दी गई है। मुंबई में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पोस्ट में कहा गया है कि 31 मार्च और 1 अप्रैल को ईद के दौरान कुछ विशेष क्षेत्रों में हिंदू-मुस्लिम दंगे, आगजनी और बम विस्फोट हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट में नवी मुंबई पुलिस के हैंडल को टैग किया गया। इसमें चेतावनी डोंगरी जैसे इलाकों को लेकर जारी की गई। कहा गया कि यहां कुछ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी या पाकिस्तानी घुसपैठियां ऐसी हरकत को अंजाम दे सकते हैं। पोस्ट के बाद नवी मुंबई में पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

फ्री प्रेस जर्नल के मुताबिक साइबर सेल सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने में लगा है। तकनीकी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डोंगरी इलाके में पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। अभी तक कुछ भी संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली है।

पुलिस ने कहा कि मुंबई पुलिस के जवानों के अलावा अपराध शाखा, आतंकवाद निरोधक दस्ता और विशेष शाखा की कड़ी निगरानी में हैं। मुंबई पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया है कि सख्त सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं। स्थिति पर बारीकी से नजर है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

शख्स ने पोस्ट किया, 'मुंबई पुलिस सतर्क रहें! 31 मार्च-1 अप्रैल 2025 को ईद के दौरान कुछ अवैध रोहिंग्या/बांग्लादेशी/पाकिस्तानी घुसपैठिए, जो डोंगरी जैसे इलाकों में रहते हैं, हिंदू-मुस्लिम दंगे, आगजनी व बम धमाके कर सकते हैं।' नवी मुंबई पुलिस ने पोस्ट का जवाब दिया और लिखा कि संपर्क करने के लिए धन्यवाद। कृपया अपने पोस्ट के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपना मोबाइल नंबर भेजें।

मुंबई पुलिस को चेतावनी जारी करने वाले व्यक्ति ने ही दिल्ली सरकार को भी अलर्ट किया है। उसने अपने एक्स पोस्ट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, दिल्ली और यूपी पुलिस को टैग किया। शख्स ने लिखा कि दिल्ली सीएम, दिल्ली पुलिस और यूपी पुलिस कृपया सतर्क रहें! 31 मार्च-1 अप्रैल 2025 को ईद के दौरान कुछ अवैध रोहिंग्या/बांग्लादेशी/पाकिस्तान मुसलमान चांदनी चौक, जामा मस्जिद, जहांगीरपुरी में हिंदू-मुस्लिम दंगा या बम धमाके कर सकते हैं।

पत्नी का मुंह बंद कर पेट में घोंपा चाकू, फिर पत्नी से बातें करता रहा पति

जिंदा ही सूटकेस में ठूंसा

नई दिल्ली । आरएनएस

बेंगलुरु से एक दिल दहला देने वाली घटना पिछले दिनों सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसके शव को सूटकेस में छिपाया। इस मामले को लेकर कई और खुलासे हुए है।

जानकारी में सामने आया कि यह मामला पहले आवेश में की गई हत्या माना जा रहा था। आरोपी राकेश ने अपनी पत्नी को थप्पड़ मारा, उसका मुंह बंद किया और चाकू से गले व पेट में वार किए। राकेश ने अपनी 32 वर्षीय पत्नी गौरी अनिल संबेरकर को घरेलू विवाद के दौरान चाकू से गोदकर मार डाला। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने गौरी को जिंदा रहते हुए ही सूटकेस में डालने की कोशिश की थी, लेकिन सूटकेस का हैंडल टूट जाने के कारण वह उसे घर से बाहर नहीं ले जा सका। बाद में उसने शव को बाथरूम में खींचकर रखा। इतना ही नहीं, उसने शव को पानी की निकासी वाली जगह पर रखा ताकि खून आसानी से गटर में चला जाए। फॉरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि गौरी उस समय तक जीवित थी, जब उसे सूटकेस में बंद किया गया। सूटकेस में म्यूकस के निशान मिले, जो इस बात का संकेत देते हैं कि वह मृत नहीं थी।

बता दें कि राकेश और गौरी एक महीने पहले मुंबई से बेंगलुरु आए थे। राकेश को एक आईटी कंपनी में वर्क-फ्रॉम-होम नौकरी मिल गई थी, जबकि गौरी नई नौकरी की तलाश में थी। बुधवार रात दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद राकेश ने गौरी को थप्पड़ मार दिया। जवाब में गौरी ने रसोई का चाकू उठाकर उस पर फेंक दिया, जिससे उसे हल्की चोट लगी। गुस्से में आकर राकेश ने गौरी के गले और पेट में चाकू से वार कर दिया। पुलिस के अनुसार, गौरी ने बचाव के लिए संघर्ष किया था, जिसके निशान राकेश के शरीर पर पाए गए। हत्या के बाद राकेश ने घर की सफाई की और शव को सूटकेस में डालकर ठिकाने लगाने की योजना बनाई, लेकिन असफल रहा। इसके बाद उसने घर में ताला लगाकर रात 12:45 बजे अपनी होंडा सिटी कार से फरार हो गया। फरार होने के बाद राकेश ने अपने मोबाइल फोन को बंद कर दिया और पुणे के पास शिरवल पहुंचकर दोबारा चालू किया। वहां से उसने गौरी के भाई गणेश अनिल संबेरकर को फोन कर हत्या की बात बताई और फिर फोन बंद कर दिया। गणेश ने महाराष्ट्र पुलिस को सूचना दी, जिसने बेंगलुरु पुलिस को जानकारी दी। बेंगलुरु पुलिस जब राकेश के घर पहुंची तो ताला लगा हुआ था। जब दरवाजा तोड़ा गया, तो उन्हें अंदर कोई फांसी पर लटका नहीं मिला, बल्कि बाथरूम में रखे सूटकेस में गौरी का शव बरामद हुआ।

जिसके बाद पुलिस लोकेशन ट्रैक कर शिरवल पहुंची, जहां राकेश ने फिनाइल और कीटनाशक पीकर आत्महत्या की कोशिश की थी। एक राहगीर की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी जान बच ली गई।

मुर्गा न मिलने पर महिला ने की खुदकुशी, लिव-इन पार्टनर से मंगवाया था; नहीं लाने पर खाया जहर

पानीपत । आरएनएस

पानीपत जिले के कुराड़ गांव की एक कॉलोनी में एक महिला ने कथित तौर पर मुर्गा न मिलने से नाराज होकर जहर निगल लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लिव-इन पार्टनर के बयान के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

मृतक महिला की पहचान नीलम के रूप में हुई है, जो बिहार की मूल निवासी थी और पिछले दो वर्षों से सुनील नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रह रही थी। सुनील ने पुलिस को बताया कि वह और नीलम दोनों एक फैक्ट्री में काम करते थे, जहां उनके बीच प्रेम संबंध स्थापित हुआ था। नीलम तलाकशुदा थी और तीन बच्चों की मां थी।

सुनील के अनुसार, शुक्रवार शाम को नीलम ने मुर्गा मंगवाया था, लेकिन वह किसी कारणवश उसे ला नहीं सका। जब वह घर पहुंचा तो नीलम ने मुर्गे के बारे में पूछा और न मिलने पर वह नाराज हो गई। दोनों के बीच बहस हुई, जिसके बाद सुनील घर से बाहर चला गया। कुछ देर बाद नीलम का बेटा दौड़कर आया और बताया कि उसकी मां ने कोई जहरीली चीज खा ली है।

नीलम को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। सिविल अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सुनील के बयान के आधार पर इत्तफाकिया कार्रवाई करते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव नीलम के परिजनों को सौंप दिया गया।

ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, एक की मौत, एक गंभीर

ऊना । आरएनएस

हिमाचल प्रदेश में अम्ब-ऊना हाईवे पर गांव धुसाड़ा में एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें एक युवक की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान अनिल कुमार (30) निवासी ततवानी, शाहपुर (कांगड़ा) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

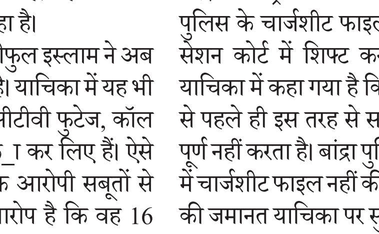

पुलिस ने यहां बताया कि युवक मोटरसाइकिल से बद्दी से अपने घर जा रहा था, इसी दौरान ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इसके साथ ही पैदल जा रहे एक व्यक्ति को भी ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। घायल अनिल कुमार (31) निवासी सुराली, खुंडियां (कांगड़ा) को गंभीर हालत में टांडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नागरिकों के लिए उन्हीं की भाषा में शिकायतें दर्ज करवाना होगा आसान, सरकार उठाने जा रही बड़ा कदम

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) ने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के लिए एक मल्टीमॉडल, बहुभाषी (मल्टीलिंग्वल) ई-गवर्नेंस समाधान लागू करने के लिए डिजिटल इंडिया 'भाषिणी' के साथ सहयोग की घोषणा की है।

यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के तहत उठाया गया है ताकि शिकायत निवारण प्रणालियों में गुणात्मक सुधार लाया जा सके और नागरिकों के लिए अधिक संवेदनशील, सुलभ और सार्थक बनाया जा सके। मल्टीमॉडल, बहुभाषी समाधान के साथ, यह परिकल्पना की गई है कि नागरिक सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर 22 क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से आसानी से शिकायत दर्ज कर सकेंगे। नागरिक शिकायत दर्ज करने के लिए अपनी क्षेत्रीय भाषा में बोल कर आवाज का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह समाधान सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर पहुंच और नेविगेशन को भी आसान बनाएगा। सरकार ने कहा कि डीएआरपीजी-भाषिणी के इस सहयोग से नागरिकों के लिए अधिक कुशल, सुलभ और उत्तरदायी शासन प्रणाली के लिए भविष्य का रोडमैप तैयार होगा।

भाषिणी का सीपीजीआरएएमएस के साथ इंटीग्रेशन एआई-पावर्ड, बहुभाषी नागरिक जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो यह सुनिश्चित करता है कि भाषा संबंधी बाधाएं अब शिकायत निवारण और सार्वजनिक सेवा पहुंच में बाधा नहीं बनेंगी। यह समाधान जुलाई 2025 तक लागू होने की उम्मीद है। इस बीच, इस सप्ताह संसद में पेश की गई जानकारी के अनुसार, नवंबर 2022 और फरवरी 2025 के बीच केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के तहत 56 लाख से अधिक शिकायतों का निवारण किया गया। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, 1 नवंबर 2022 से 28 फरवरी 2025 तक सीपीजीआरएएमएस पर कुल 52,36,844 शिकायतें प्राप्त हुईं और इस प्रणाली के माध्यम से 56,63,849 शिकायतों का निपटारा किया गया। मंत्री ने कहा कि 28 फरवरी तक भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों में 59,946 जन शिकायत मामले पेंडिंग हैं। नागरिक 5.1 लाख कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस बीच, डीएआरपीजी द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल फरवरी में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कुल 50,088 जन शिकायतों का निवारण किया गया, जबकि सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर ऐसे पेंडिंग मामलों की संख्या 1,90,994 है।